पंचदश

बिहार विधान-सभा

पंचम सत्र

अल्प-सूचित प्रश्न

वर्ष-2

09 फाल्गुन, 1933 (श०)

मंगलवार तिथि

28 फरवरी, 2012 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या—03

(1) पर्यावरण एवं वन विभाग	..	..	01
(2) शिक्षा विभाग	..	..	02
		कुल योग ..	03

प्रदूषण की रोकथाम

10. श्री विनोद नारायण झा--क्या मंत्री, पर्यावरण एवं वन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में लाल ईंट बनाने हेतु 3500 से अधिक चिमनियाँ हैं जिनमें 11 सौ करोड़ रुपये के ईंट का निर्माण प्रति वर्ष होता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि 1 लाख ईंट के निर्माण में 24 टन कोयले की खपत होती है ;

(3) क्या यह बात सही है कि कोयले से एक हजार ईंट बनाने में 600 ग्राम कार्बन का उत्सर्जन होता है ;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार राज्य के चिमनियों के द्वारा लाल ईंट निर्माण के कारण विशाल कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण प्रदूषण को रोकने हेतु कबतक क्या कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

शिक्षित करना

11. श्री अवनीश कुमार सिंह--स्थानीय हिन्दी दैनिक में दिनांक 24 जुलाई, 2011 को प्रकाशित समाचार शीर्षक "निरक्षरों को साक्षर बनाने में नहीं लगता राज्यों का मन" के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2009-10 में प्रौढ़ अनपढ़ों को शिक्षित करने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा "साक्षर भारत मिशन" शुरू किया गया ;

(2) क्या यह बात सही है कि केन्द्र सरकार की समीक्षा बैठक में राज्य सरकार के पदाधिकारियों द्वारा सहमति जताने तथा दो वर्ष बीत जाने के बावजूद राज्य में सभी जिला एवं प्रखंडों पर समन्वयक नियुक्त नहीं किये गये हैं, जिसके कारण "साक्षर भारत मिशन" प्रदेश में विफल हो गया और एक भी अशिक्षित प्रौढ़ शिक्षित नहीं हो पाये;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उपरोक्त योजना की विफलता के लिये कौन दोषी हैं तथा प्रौढ़ों को शिक्षित करने की योजना सरकार कबतक प्रारम्भ करने का विचार रखती है ?

प्रभारी मंत्री--(1) उत्तर स्वीकारात्मक है । वर्ष 2009-10 के सितम्बर माह में केन्द्र सरकार द्वारा बिहार के भोजपुर, बेगूसराय एवं खगड़िया जिले के लिये साक्षर भारत मिशन कार्यक्रम के प्रारम्भ करने की घोषणा की गयी एवं मार्च, 2010 से बिहार के उक्त जिलों में यह कार्यक्रम लागू किया गया ।

(2) उत्तर अस्वीकारात्मक है । वित्तीय वर्ष 2010-11 के सितम्बर माह में भारत सरकार द्वारा राज्य के सभी जिलों (अरवल छोड़कर) में साक्षर भारत कार्यक्रम प्रारम्भ करने की घोषणा कर दी गयी तथा वित्तीय वर्ष 2011-12 के सितम्बर में अरवल जिले में भी उक्त कार्यक्रम संचालन का आदेश प्राप्त हो गया । सभी जिलों एवं प्रखण्डों में समन्वयकों का चयन कर लिया गया है एवं कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है ।

(3) वयस्कों को साक्षर करने की योजना कार्यरत है ।

भोजन उपलब्ध कराना

12. श्री अख्तरूल ईमान--क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सर्वशिक्षा अभियान के तहत राज्य में मध्याह्न भोजन के लिए वर्ष 2011-12 में 11,123 करोड़ रुपया केन्द्र सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है, जिसके विरुद्ध अबतक केवल 1159 करोड़ रुपया ही राज्य को मिल पाया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि ससमय राशि तथा अनाज नहीं मिलने के कारण स्कूलों में बच्चों को मध्याह्न भोजन ठीक से नहीं मिल पा रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना के तहत शत-प्रतिशत बच्चों को ससमय भोजन उपलब्ध कराने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

लक्ष्मीकान्त झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

पटना:
दिनांक 28 फरवरी, 2012 (ई०)।

बि०स०मु० (एल०ए०), 113-डी०टी०पी०--450